मृदुला सिन्हा का साहित्य

विवेचन एवं विश्लेषण

संपादक

रवींद्रनाथ मिश्र

मृदुला सिन्हा का साहित्य
विवेचन एवं विश्लेषण

संपादक
रवींद्रनाथ मिश्र

अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स (प्रा.) लिमिटेड
4697/3, 21-ए, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली 110002
फोन : 011-23281655, 011-43708938
E-mail: anamikapublishers@yahoo.co.in

प्रथम संस्करण : 2017

© रवींद्रनाथ मिश्र

आई.एस.बी.एन. 978-81-7975-841-0

भारत में मुद्रित

अनामिका पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स (प्रा.) लिमिटेड, 4697/3, 21-ए, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली 110002 द्वारा प्रकाशित। शिवानी कम्प्यूटर्स, दिल्ली 110093 द्वारा शब्दांकित एवं विकास कंप्यूटर एंड प्रिंटर्स, ट्रॉनिका सिटी, गाजियाबाद में मुद्रित।

अनुक्रम

प्राक्कथन 9
भूमिका 13

1. मृदुला सिन्हा : जीवन एवं सर्जन—*अखिलेश कुमार शर्मा* 21
2. आस्था और विश्वास की साकार मूर्ति—*बद्रीप्रसाद पंचोली* 54
3. मृदुला सिन्हा : शब्दों से परिचय—*मालती* 58
4. *सीता पुनि बोली* : कथा-विन्यास और दृष्टि—*सुधाकर मिश्र* 68
5. स्त्री गरिमा की पराकाष्ठा : *परितप्त लंकेश्वरी*—*सूर्यबाला* 75
6. सभी युगों में सावित्री अत्याधुनिक रहेगी—*संजय पंकज* 80
7. रचनाकार का निज और समसामयिक संदर्भ—*सारिका कालरा* 86
8. *अतिशय* : न आदि, न अंत—*अखिलेश कुमार शर्मा* 94
9. सामाजिक परिवर्तन एवं नैतिक मूल्यों के क्षरण की पड़ताल : *अतिशय*—*कपिल कुमार राघव* 99
10. *अपना जीवन* की ग्राम्यगंधी कहानियां—*जयश्री राय* 107
11. मृदुला सिन्हा के उपन्यासों में जीवनमूल्यों की अभिव्यक्ति—*अंजु लता सारस्वत* 113
12. डॉ. मृदुला सिन्हा की कहानियों की विशेषताएं—*आर. शशिधरन* 119

13. रिश्तों में रिसती नारी की व्यथा-कथा—*इशरत खान* 124
14. मृदुला सिन्हा की लोकप्रिय कहानियों
की मूल संवेदना—*रूपाली सु. पाद्रिकर* 129
15. *ढाई बीघा जमीन* : नारी विमर्श—*शीतला प्रसाद दुबे* 135
16. डॉ. मृदुला सिन्हा की लघु कथाओं में स्त्री—*राधामणि सी.* 144
17. मृदुला सिन्हा की लघुकथाएं : एक अवलोकन—*आशा गहलोत* 151
18. *जैसे उड़ि जहाज को पंछी* की रचनात्मक सार्थकता—*सोनिया सिरसाट* 157
19. *मानवी के नाते* की मानवीयता—*किरन पोपकर* 168
20. भारतीय संस्कृति का दस्तावे...*बिटिया है विशेष*—*उमेश चंद्र शुक्ल* 175
21. मृदुला सिन्हा के निबंधों का मूल्यांकन—*बाबूराम* 181
22. मृदुला सिन्हा के निबंधों में स्त्री-विमर्श—*शुभदा वांजपे* 186
23. वैचारिकता के आईने में मृदुला सिन्हा की स्त्री-दृष्टि—*बिपिन तिवारी* 195
24. नूतन समाज की संकल्पना : *मुझे कुछ कहना है*—*ऋषिकेश मिश्र* 209
25. मृदुला सिन्हा की संपादकीय-दृष्टि—*रंजीत तिवारी* 223